

पारिभाषिक शब्दावली

एल्बेडो	: कुल आने वाले विकिरण का वह भाग जो अंतरिक्ष में वापस परावर्तित होता है, इसे परावर्तित विकिरण एवं आपतित विकिरण के अनुपात के रूप में व्यक्त किया जाता है।	बोल्डर	: तलछटी चट्टानों में सबसे बड़ी इकाई। आमतौर पर मिट्टी आदि आकार में 10 से.मी से बड़ी होती हैं।
क्षारीयता	: इस शब्द का प्रयोग जल में बाईकार्बोनेट, हाइड्रोक्साइड और कभी-कभी बोरेट, सिलिकेट और फॉस्फेट की मात्रा को दर्शाने हेतु होता है। इसे पी.पी.एम. (भाग प्रति मिलियन) या कैल्शियम कार्बोनेट के मि.ग्रा./ली. समकक्ष में व्यक्त किया जाता है।	नहर	: सिंचाई या अंतर्देशीय परिवहन के लिए उपयोग में आने वाला कृत्रिम जल मार्ग।
शुष्क क्षेत्र	: ऐसे क्षेत्र या जलवायु जहाँ पर सिंचाई नहीं होने के कारण फसल उत्पादन हेतु पर्याप्त नमी बिना सिंचाई के उपलब्ध नहीं होती है। ठंडे क्षेत्र के लिए वर्षा की ऊपरी वार्षिक सीमा 25 से.मी. और उष्णकटिबंधीय क्षेत्र के लिए 40-50 से.मी. है।	केशिकात्व	: आसंजन और सतह तनाव द्वारा मिट्टी के पानी का मिट्टी के कणों के चारों ओर केशिका स्थानों में एक सतत फिल्म के रूप में ऊपर चढ़ना।
आर्टीसियन वेल	: (पाताल-तोड़ कुआ): आर्टीसियन वेल जलभृत (एक्विफर) को भेदने वाला कुआं है। एक आर्टीसियन जलभृत ऊपर तथा नीचे एक सीमित परत से ढका होता है तथा इन जलभृतों में पानी दबाव में होता है। इस जलभृत में बोर होने से पानी अपने ही दबाव के कारण ऊपर उठता है।	खोह	: सुरंग का पर्यायवाची, हालांकि कभी-कभी इसका तात्पर्य बड़े आकार की गुफाओं से भी लिया जाता है। एक गुफा भूपटल पर भूमिगत खोखली जगह है जिसमें सतह से प्रवेश किया जा सकता है।
वायुमंडल	: वायुमंडल शब्द का उपयोग किसी भी आकाशीय पिंड और विशेष रूप से पृथ्वी के गैसीय आवरण को संदर्भित करने के लिए किया जाता है।	जलवायु विज्ञान	: यह मौसमविज्ञान का एक उपखंड है जो एक निश्चित अवधि के भीतर किसी क्षेत्र विशेष में वायुमंडल की औसत अथवा सामान्य या सामूहिक अवस्था से संबंधित है अर्थात् यह वायुमंडल के सभी प्रभावों, मुख्य रूप से तापमान, नमी, हवा, दबाव और वाष्पीकरण के योग (कुल) का अध्ययन करता है।
		बादल	: भूमि सतह के ऊपर काफी ऊंचाई पर जलवाष्प के संघनन के कारण वातावरण में छोटी-छोटी पानी की बूंदों या बर्फ के क्रिस्टल से बना पुंज।
		संघनन	: वाष्प से तरल अवस्था में परिवर्तन की भौतिक प्रक्रिया।



संवहन	: वातावरण के भीतर (या गैस या तरल पदार्थ के भीतर) उष्मा हस्तांतरण की एक प्रक्रिया, जिसमें माध्यम की गति शामिल होती है।
डेल्टा	: खुली नदी घाटियाँ।
डेल्टा	: नदी के मुहाने पर नदी द्वारा लाये गये तलछट का लगभग त्रिकोणीय क्षेत्र जो पानी के घटते वेग से जमा होता है। तलछट मुख्य रूप से रेत, मिट्टी, खारे पानी के जीवों के अवशेष, जमीन से बह कर आए पौधे एवं पशुओं के अवशेषों से निर्मित होता है। डेल्टा का निर्माण निचली तट रेखाओं पर होता है।
मरुस्थल	: लगभग बंजर भूमि जिसमें गर्म या ठंडी जलवायु होती है, जिसके परिणामस्वरूप विरल वनस्पति होती है। रेगिस्तान में खराब घास-भूमि या झाड़ हो सकते हैं।
सूखा	: किसी स्थान पर वर्षा की लंबे समय तक जारी और इतनी अधिक कमी जिससे पौधे और पशु जीवन को नुकसान पहुँचे तथा घरेलू उद्देश्यों और बिजली संयंत्रों के संचालन के लिए पानी की आपूर्ति में कमी आये। विशेष रूप से उन क्षेत्रों में जहाँ आमतौर पर वर्षा ऐसे उद्देश्यों के लिए पर्याप्त होती है। दुनिया के विभिन्न हिस्सों में इस शब्द के अलग-अलग आशय हैं जैसे बाली में बिना वर्षा के 6 दिनों की अवधि को सूखा कहा जाता है। संयुक्त राज्य अमेरिका में 21 दिनों या उससे अधिक की अवधि में जब वर्षा समय और स्थान के औसत से 30% या उससे कम होती है, को सूखे के रूप में परिभाषित किया जाता है। लीबिया के कुछ हिस्सों में, बिना वर्षा के दो साल बाद ही सूखे की पहचान की जाती है।
पारिस्थितिकी	: विज्ञान जो जीवों और उनके पर्यावरण के अंतर्संबंधों से संबंधित है।

पर्यावरण	: किसी जीव या समुदाय के अस्तित्व या विकास को प्रभावित करने वाली सभी बाहरी स्थितियों का योग।
कटाव	: भूमि की सतह का घिसना या अलग होना तथा बहते पानी, हवा, बर्फ, गुरुत्वाकर्षण आदि द्वारा मिट्टी, चट्टान आदि का संचलन।
वाष्पीकरण	: वह प्रक्रिया जिसके द्वारा क्वथनांक से नीचे ऊष्मा ऊर्जा के हस्तांतरण के माध्यम से पानी तरल अवस्था से गैसीय अवस्था में बदल जाता है।।
वाष्पोत्सर्जन	: एक निश्चित समय अवधि में किसी दिए गए क्षेत्र से मिट्टी से वाष्पीकरण द्वारा और वनस्पति से उत्सर्जन द्वारा नमी की संयुक्त हानि।
बाढ़	: पानी का वह प्रवाह जिसके कारण वह भूमि जहाँ पर आमतौर पर पानी जमा नहीं होता है जलमग्न हो जाती है, या पहले से ही आंशिक रूप से जलमग्न भूमि पर नदी, झील या समुद्र के जलस्तर में वृद्धि के कारण अस्थायी वृद्धि हो जाती है।
बाढ़ का मैदान	: नदी के किनारे की निचली भूमि जहाँ समय-समय पर बाढ़ आती रहती है। यह चट्टान के तल के ऊपर बाढ़ के पानी द्वारा परिवर्तनीय मोटाई के तलछट (जलोढ़) के जमाव से बनता है और छोटी तटवर्ती खड़ी ढालों से घिरा रहता है।
कोहरा	: तैरती धूल या धुएं के कणों के नाभिक के चारों ओर जल वाष्प के संघनन के परिणामस्वरूप वायुमंडल की निचली परतों में निर्लंबित पानी की बूंदें। एक कि.मी. से कम की दृश्यता कोहरे की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त परिभाषा है।
फ्रिजिड जोन	: आर्कटिक-अंटार्कटिक प्रकार की जलवायु या उन क्षेत्रों जहाँ की सतह वर्ष के एक बड़े हिस्से के लिए बर्फ से ढकी होती है और जहाँ की उप-मिट्टी स्थायी रूप से जमी होती है, के



लिए एक सामान्य शब्द ।

- पाला : मौसम की वह स्थिति जब हवा का तापमान 0°C या उससे कम होता है। जमीन की सतह और वस्तुओं पर नमी जम जाती है और एक बर्फीले निक्षेप का निर्माण करती है।
- भू-आकृति विज्ञान: पृथ्वी की सतह पर भूमि रूपों की उत्पत्ति और विकास का अध्ययन और व्याख्या।
- हिमनद : बर्फ का एक द्रव्यमान जो गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव में अपने स्रोत क्षेत्रा से दूर एक सीमित मार्ग के साथ चलता है। यह बर्फ के संचय और संघनन से बनता है, जो पहले फर्न और अंत में हिमनद बर्फ के रूप में बदल जाता है।
- बजरी : 2 से 60 मि.मी. तक के आकार में असंगठित सामग्री का भंडार। कण आमतौर पर पानी से घिसे हुए होते हैं और इसलिए गोल होते हैं, और एक से अधिक प्रकार की चट्टानों से प्राप्त होते हैं।
- भूजल : पानी जो मिट्टी और अंतर्निहित चट्टान में निहित है। भूजल वर्षा के नीचे रिस गये पानी से प्राप्त होता है या उस पानी से जो चट्टानों के गठन के दौरान चट्टानों के भीतर फंस गया हो।
- आर्द्रता : वायुमंडल में मौजूद जलवाष्प की मात्रा।
- तूफान : वह हवा जिसका वेग 32.7 मीटर प्रति सेकंड से अधिक हो। यह कैरेबियन सागर और मैक्सिको की खाड़ी के आसपास होने वाला उष्णकटिबंधीय चक्रवात है।
- जलविज्ञान चक्र : वायुमंडल, भूमि और समुद्र के बीच पानी की चक्रीय गति। जल वाष्पोत्सर्जन के माध्यम से जलवाष्प के रूप में वायुमंडल में जाता है। वायुमंडल के भीतर संघनन के बाद बादलों का निर्माण करता है और यह वर्षा के रूप में भूमि और अपने जल

निकायों में वापस आ जाता है। यह जल भूमि से बहकर नदियों, झीलों और महासागरों में प्रवाहित हो सकता है या भूजल के रूप में जमीन के नीचे जा सकता है। जल-चक्र के उपरोक्त पहलुओं के बीच पानी निरंतर गतिमान रहता है।

- जलविज्ञान : पृथ्वी पर जल का अध्ययन। इसमें इसके रासायनिक और भौतिक गुण, उपस्थिति, वितरण एवं सतह पर तथा जमीन की सतह के नीचे परिसंचरण शामिल है।
- अंतःस्यंदन : मिट्टी में पानी का रिसना। किसी दी गई स्थिति में मिट्टी द्वारा वर्षा को जिस अधिकतम दर पर अवशोषित किया जा सकता है, उसे अंतःस्यंदन क्षमता के रूप में जाना जाता है।
- सूर्यातप : सूर्य से पृथ्वी की सतह तक पहुंचने वाली विकिरण ऊर्जा।
- अवरोधन : पौधों की पत्तियों, शाखाओं और तनों द्वारा वर्षा की बूंदों को थामना। वनस्पति आवरण द्वारा वर्षा का अवरोधन वर्षा के कुछ भाग को भूमि तक पहुँचने से रोकता है।
- आयन मंडल : पृथ्वी के वायुमंडल के समताप मंडल से ऊपर का भाग, जो लगभग 60 कि.मी. की ऊँचाई से ऊपर की ओर फैला होता है।
- मेन्डर : नदी चैनल का एक स्पष्ट वक्र या लूप।
- मौसम विज्ञान : वायुमंडल और उसके भीतर काम करने वाली भौतिक प्रक्रियाएं जिसमें हवा, तापमान, बादल, दबाव आदि का वैज्ञानिक अध्ययन किया जाता है।
- धुंध : निचले वातावरण अर्थात् वायुमंडल की निचली परतों के भीतर दृश्यता की 1-12 कि.मी. तक की कमी जो पानी की बूंदों के संघनन के कारण उत्पन्न होती है।
- मानसून : उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में हवाओं के दबाव और वर्षा का बड़े



	पैमाने पर मौसमी परिवर्तन। दुनिया में सबसे बड़ा और सबसे अच्छा विकसित मानसूनी क्षेत्र दक्षिण-पूर्व एशिया है।
बारहमासी नदी	: वर्ष भर बहने वाली नदियों को बारहमासी नदियाँ कहा जाता है।
पर्वियस स्ट्रेटा	: पारगम्य परत जिसमें चट्टानों में जोड़ों, बेड प्लेन, दरारें और दरारों के माध्यम से पानी स्वतंत्र रूप से गुजर सकता है।
फिजियोग्राफी	: किसी क्षेत्र के सतही रूपों का अध्ययन। भू-आकृति विज्ञान सहित संपूर्ण भौतिक भूगोल को कवर करने से वर्षों में इस शब्द ने अपना अर्थ बदल दिया है।
पठारी	: अपेक्षाकृत समतल भूमि का एक विस्तृत ऊंचा क्षेत्र। पृथ्वी की पपड़ी का व्यापक संचलन ऊर्ध्वाधर अनियमितता का परिणाम हो सकता है, जिसके कारण भ्रंशों द्वारा विभाजित पठारों और घाटियों का निर्माण होता है।
छिद्र स्थान	: चट्टान के खनिज अनाज, मिट्टी या तलछट के बीच की जगह।
वर्षा	: पानी या बर्फ के कण जो बादलों के भीतर बनते हैं और पृथ्वी की सतह की ओर गिरते हैं।
वर्षामापी	: वर्षा मापने के लिए बनाया गया एक उपकरण। अपने सरलतम रूप में इसमें एक फनल होता है जिसे एक संग्रह पात्र में लगाया जाता है। एक निश्चित समय अवधि में पात्र में एकत्र की गई वर्षा को विशेष रूप अंशांकित मापने वाले सिलेंडर द्वारा मापा जाता है, अधिकांशतः मौसम विज्ञान केन्द्रों में प्रतिदिन दो बार वर्षा का मापन होता है।
वृष्टिछाया क्षेत्र	: पहाड़ियों या पर्वत श्रृंखलाओं के क्षेत्र में कम वर्षा का क्षेत्र।
रिजर्वायर	: सिंचाई, औद्योगिक उपयोग, जल आपूर्ति, जल विद्युत् या मनोरंजन जैसे एक या अधिक उद्देश्यों के लिए पानी के

	भंडारण हेतु आमतौर पर एक नदी घाटी में बांध बनाकर बनाया गया क्षेत्र।
रिल्स	: उथले अल्पकालिक चैनलों द्वारा मिट्टी की सतह का क्षरण। इन छोटे चैनलों को रिल्स कहा जाता है।
लवणीय मिट्टी	: अंतराक्षेत्रीय मिट्टी का एक समूह जिसमें सामान्य नमक जैसे लवणों की उच्च सांद्रता होती है। ये प्रायः अर्ध-शुष्क और शुष्क क्षेत्रों में पाई जाती है जहां वाष्पीकरण अधिक होता है।
अर्ध शुष्क	: रेगिस्तान और उष्णकटिबंधीय घास के मैदानों की जलवायु के बीच के क्षेत्र। यहाँ औसत वार्षिक वर्षा 100 मि.मी. से 300 मि. मी. के बीच होती है।
स्लुइस	: उच्च वेग से अधिशेष पानी या मलबे को निकालने के लिए चैनल या नाली।
हिम	: वर्षा का एक रूप जिसमें बर्फ के क्रिस्टल होते हैं। यह तब होती है जब हिमांक से नीचे के तापमान पर संघनन होता है।
स्पिलवे	: मिट्टी या चट्टान में काटा हुआ खुला या बंद मार्ग। जब एक बांध भर जाता है, तो कोई भी आने वाला जल प्रवाह संरचना को बिना किसी नुकसान के स्पिलवे के ऊपर से या उसके माध्यम से बह जाता है।
समताप मंडल	: वायुमंडल की वह परत जो लगभग 8 कि.मी. की औसत ऊंचाई पर स्थित क्षोभ-सीमा और लगभग 50 कि.मी. पर स्थित समताप मंडल के बीच में स्थित होती है।
समशीतोष्ण क्षेत्र	: तापमान के आधार पर उष्ण और ठंडे क्षेत्रों के बीच दुनिया का विभाजन, समशीतोष्ण क्षेत्र एक ऐसा क्षेत्र है जहां तापमान का कोई चरम नहीं है।
दीमक टीला	: मिट्टी या पौधे के मलबे से बना घोंसला, जिसमें दीमकों की



	एक कॉलोनी (उष्णकटिबंधीय प्रकार की चींटी) रहती है।
स्थलाकृति	: भूमि या समुद्र तल के क्षेत्र की सतही विशेषताएं (अर्थात् भूमि रूप)।
बवंडर	: एक तीव्र रूप से घूमने वाला तूफान जिसमें वायु अत्यधिक कम दबाव के एक छोटे से क्षेत्र में घूमती है।
टोरिड	: तापमान के आधार पर दुनिया के तीन भागों में से एक। यह कटिबंधों के बीच स्थित क्षेत्र है।
क्षोभ मंडल	: पृथ्वी के वायुमंडल की सबसे निचली परत।
मलिनता	: निलंबित तलछट के परिणाम स्वरूप पानी का मैलापन।
प्रक्षोम	: तरल पदार्थ (जैसे पानी, हवा) का एक अनियमित अशांत प्रवाह।
जल-प्रपात	: नदी के चैनल का एक खड़ी चट्टान जैसा खंड, जिससे पानी नीचे लंबवत गिरता है।
वाटर लिफ्ट	: उपयोगी उद्देश्यों के लिए पानी प्राप्त करने हेतु पानी के निचले

स्रोतों से पानी उठाने के लिए कोई भी तंत्र (आमतौर पर लीवर सिद्धांत)।

पानी का रिसना	: पानी जमीन से बाहर रिसना और बिना बोधगम्य प्रवाह के उसे गीला करना।
जल स्तर	: संतृप्त चट्टानों के क्षेत्र की ऊपरी सतह यानी चट्टानें जिनमें सभी रिक्त स्थान पानी से भरे होते हैं।
जल उपचार	: जल के दूषित स्रोत से पीने योग्य पानी प्राप्त करने के लिए प्रयोग की जाने वाली कोई भी विधि।
जल ग्रहण	: जल मृदा की केशिकाओं और पौधों की जड़ प्रणाली के माध्यम से ऊपर की ओर चढ़ता है। पौधों द्वारा जल का उपयोग जल ग्रहण कहलाता है।
जल शिराएँ	: भूमिगत संरचनाएँ जिनसे होकर जल मृदा में प्रवाहित होता है। ये मिट्टी के सूक्ष्म छिद्रों के अंतर्संबंधों द्वारा निर्मित मार्ग हैं। प्राचीन भारतीय साहित्य में इन्हें मानव शरीर में शिराओं के सदृश बताया गया है।



GLOSSARY OF TERMS

Albedo:	: The portion of the total incoming radiation that is reflected back to space expressed as a ratio of the reflected to incoming radiation.		
Alkalinity	: A term used to represent the content of carbonates, biocarbonates, hydroxides and occasionally borates, silicates and phosphates in water expressed in ppm (part per million) or mg/lit of equivalent calcium carbonate.	Capillarity	: The rise of soil water by adhesion and surface Tension forces as a continuous film around soil particles and in the capillary spaces.
Arid Zone	: Region or climate lacking sufficient moisture for crop production without irrigation; upper annual limit of precipitation for cool region is 25 cm and for tropical region is 40-50 cm.	Caverns	: Synonymous with cave, though sometimes it implies a cave of large dimensions. A cave is the under ground hollow space in the earth's crust which may be entered from the surface.
Artesian well	: A well penetrating an artesian aquifer. An artesian aquifer is overlain and underlain by a confining layer so that water in these aquifers occurs under pressure. Boring in this aquifer causes the water to rise due to its own pressure.	Climatology	: It is a subdivision of meteorology which deals with the average or normal or collective state of the atmosphere over a given area within a specified period of time i.e. it studies the sum(total) of all atmospheric influences. Principally temperature, moisture, wind, pressure and evaporation.
Atmosphere	: The word atmosphere is taken to refer to the gaseous envelop of any heavenly body, and especially that of the earth.	Cloud	: A mass of small water drops or ice crystals formed in the atmosphere due to condensation of water vapour at great height above the land.
Boulder	: Largest unit in sedimentary rocks. Soils etc. usually bigger than 10 cm in size.	Condensation	: The physical process of transformation from the vapour to the liquid state.
Canal	: Artificial water course used for irrigation or inland	Convection	: A process of heat transfer within the atmosphere (or within a gas or fluid), which involves the movement of the medium itself.
		Dales	: Open river valleys.



Delta	: Roughly triangular area of river-transported sediment at the river mouth deposited by decreasing velocity of water. The sediment is constituted mainly of sand, clay, remains of brackish water organisms, debris of plants and animals washed from land. Delta is formed on low lying coastlines.	Evaporation	: The process by which the water is changed from the liquid state to a gaseous state below the boiling point through the transfer of heat energy.
Desert	: Almost barren land having arid hot or cool climate, resulting in sparse vegetation. A desert may have a poor grass-land or scrub.	Evapotranspiration	: Combined loss of moisture from soil by evaporation and from vegetation by transpiration from a given area in a specified time period.
Drought	: Lack of rainfall so great and long continued as to affect injuriously the plant and animal life of a place and to deplete water supplies both for domestic purposes and for the operation of power plants. Especially in those regions where rainfall is generally sufficient for such purposes. The term has different can notations in various parts of world e.g. In bali a period of 6 days without rain is drought. In USA a drought is defined as a period of 21 days or more when the rainfall is 30% or less of the average for the time and place. In parts of Libya, droughts are recognized only after two years without rain.	Flood	: The flow of water which causes submergence of land not usually covered with water, or an increase in the depth of water on land already partially submerged, through a temporary rise in river lake or sea levels.
Ecology	: Science which deals with interrelations of organisms and their environment.	Flood Plain	: The low-lying land that borders a river and is subjected to periodic flooding. It is composed of deposits of sediment (alluvium) of variable thickness laid down by the flood waters above the rock floor and is bounded by low bluffs.
Environment	: Sum total of all external conditions influencing the existence or development of an organism or a community.	Fog	: Droplets of water suspended in the lower layers of the atmosphere resulting from the condensation of water vapour around nuclei of floating dust or smoke particles. A visibility of less than 1 Km is the internationally recognized definition of fog.
Erosion	: Wearing away of land surfaces or detachment and movement of soil, rock etc. by flowing water, wind, ice, gravity etc.	Frigid Zone	: A general term for Arctic- Antarctic type climates or for areas where the surface is snow covered for a large part of the year and where the sub soil is permanently frozen.
		Frost	: A weather condition that occurs when the air temperature is at or below 00C. Moisture on the surface of the ground and objects freezes to form an icy deposit.
		Geomorphology	: The study and interpretation of the origins and



	development of land forms on the earth's surface.		
Glacier	: A mass of ice that moves under the influence of gravity along a confined course away from its source area. It is formed by the accumulation and compaction of snow, which is transformed to firn and ultimately to glacier ice.	Infiltration	: The seepage of water into the soil. The maximum rate at which rainfall can be absorbed by a soil in a given condition is known as infiltration capacity.
Gravel	: A deposit of unconsolidated material ranging in size from 2 to 60mm. The particles are usually water worn and hence rounded, and are derived from more than one type of rock.	Insolation	: The radiant energy that reaches the surface of the earth from the sun.
GroundWater	: Water that is contained in the soil and underlying rock. Ground Water may be derived from rain water that has percolated down or from water that was trapped within the rock during its formation.	Interception	: The capture of drops of rain by the leaves, branches, and stems of plants. The interception of the rainfall by the vegetation cover prevents some of its from reaching the ground.
Humidity	: The amount of water vapour present in the atmosphere.	Ionosphere	: The part of earth's atmosphere extending upwards above the stratopause from an altitude of about 60 km.
Hurricane	: A wind that has a velocity in excess of 32.7 m per second. It is tropical cyclone occurring around the Caribbean Sea and Gulf of Mexico.	Meander	: A pronounced curve or loop in the course of a river channel.
Hydrologic Cycle	: The cyclic movement of water between the atmosphere, the land and the sea. Water is released into the atmosphere as water vapour through evapotranspiration. After condensation within the atmosphere to form clouds it returns to the land and to its water bodies as precipitation. This water may runoff the land in rivers streams into lakes and the oceans or move under ground as ground water. Water keeps on moving continuously among above facets of hydrological cycle.	Meteorology	: The scientific study of the atmosphere and the physical processes at work within it including pressure wind, temperature, clouds, pressure etc.
Hydrology	: The study of water on the earth. Including its	Mist	: A reduction of visibility within the lower atmosphere to 1-12 km caused by condensation producing water droplets within i.e lower layers of the atmosphere.
		Monsoon	: A large-scale seasonal reversal of winds pressure and rainfall in the tropics. The largest and best developed monsoonal area in the world is South East-Asia.
		Perennial river	: Rivers flowing throughout the year are called



perennial rivers.

Pervious Strata : A rock system through which water can pass freely as a result of joints, bedding planes, cracks and fissures in the rock.

Physiography : The study of the surface forms of a region. The word has changed its meaning over the years from covering the whole of physical geography including geomorphology.

Plateous : An extensive elevated area of relatively flat land. Widespread movements of the earth's crust may result in vertical warping, which produces plateaus and rift valleys divided by faults.

Pore space : The amount of space between the mineral grains of rock, soil or sediment.

Precipitation : The particles of water or ice that form within clouds and fall towards the earth's surface.

Rain gauge : An instrument designed to measure rainfall. In its simplest form it consists of a funnel fitted into a collecting vessel. Any rain collected in the vessel over a set period of time is measured in a specially graduated measuring cylinder, an exercise that occurs twice daily at most meteorological stations.

Rain Shadow : An area of low rainfall in the lee of hills or mountain ranges.

Reservoir : A storage area for water usually a river valley that has been dammed to retain water for one or more purposes, such as irrigation, industrial use, water supply, hydro-electric power or recreation.

Rills : Erosion of the soil surface by shallow short-lived channels. These small channels are called rills.

Saline soil : A group of intra zonal soils that contain high concentrations of salts such as common salt. They often occur in semiarid and arid areas where there is strong evaporation.

Semi Arid : The climate of the areas between desert and tropical grassland. The mean annual rainfall ranges between 100 mm to 300 mm.

Sluice : Channel or conduit to drain off surplus water at high velocity or for passing debris. Also, to allow a water flow at high velocity for ejecting debris.

Snow : A form of precipitation consisting of crystals of ice. It is produced when condensation takes place at a temperature below freezing point.

Spillway : An open or closed passage cut in soil or rock. When a dam is full, any further incoming water flows over or through the spillway without any damage to the structure.

Stratosphere : The layer of the atmosphere that lies between the tropopause, at an average altitude of about 8 km, and the stratopause, at about 50 km.

Temperate Region : The division of the world based on temperature lying between the torrid and frigid zones, and meaning an area where there are no extremes of temperature.

Termite mound : The nest made from mud or plant debris, that houses a colony of termites (Tropical type of ant),

Topography : The surface features (i.e. land forms) of an area of



land or sea bed.

Tornado : A violently rotating storm in which winds whirl around a small area of extremely low pressure.

Torrid : One of the three divisions of the world based on temperature. It is the zone lying between the tropics.

Troposphere : The lowest layer of the earth's atmosphere.

Turbidity : The muddiness of water resulting from suspended sediment.

Turbulence : An irregular disturbed flow of fluid e.g. water, air).

Waterfalls : A steep cliff like section of a river channel down which water falls vertically.

Water lift : Any mechanism (generally lever principle) to raise the water from a source of lower datum to obtain water for useful purposes.

Water oozing : Water seeping out of the ground and wetting it without perceptible flow.

Water Table : The upper surface of the zone of saturated rocks i.e. rocks in which all voids are filled with water.

Water Treatment : Any method used to obtain potable water from a contaminated source of water.

Water uptake : Water ascends upward through the capillarity of soil and root system of plants. The utilization of water by plants is termed as water uptake.

Water Veins : The underground structures through which the water moves through the soil. These are passages formed by the interconnections of pore spaces of soil. In ancient Indian literature these have been said to be resembling the veins in the human body.

